जिसमें अधिकतम पौध वृद्धि रेत + मिट्टी +गोबर खाद (1:1:1) के साथ 40 ग्राम वेम प्रति पौध में पाई गई। अतः यह मिश्रण इस प्रजाति की पौध वृद्धि के लिये अतयंत उपयोगी होगा।

रुट ट्रैनर का साइज

300 से 400 सीसी साइज के रुट ट्रैनर पौधो की अच्छी वृद्धि के लिए उपयुक्त पाये गये।

रोपण हेतु पौध ऊँचाई / आयु

उपरोक्त साईज के रुट ट्रैनर मे तैयार 06 से 08 माह की आयु के पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं। रोपण के समय पौधे की कुल लंबाई 95 से 102 सेमी या उससे अधिक होनी चाहिए।

उपयोग

सभी प्रकार के निर्माण में इसकी काष्ठ का उपयोग किया जाता है। इससे दरवाजे, खिडकियां, चौखट, पल्ले, बैलगाडी, किसानों के औजारों के हत्थे, आदि अनेक काम में आती है। इसकी लकडी निर्धन के काम भी आती है। पत्तियों का उपयोग मवेशियों के लिए चारे की प्राप्ति के लिए। काला सिरस की भांति इसे भी रूट-शूट कटिंग के द्वारा भी विकसित किया जा सकता है।

संपर्क

डॉ. अर्चना शर्मा

सफेद सिरस रुट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

(अल्बीजिया प्रोसेरा)

वन उत्पादकता प्रभाग

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

Scanned with OKEN Scanner

सफेद सिरस-रुट ट्रैनर मे उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

प्रजाति का नाम - सफेद सिरस
वनस्पति का नाम- एल्बीजिया प्रोसेरा

परिचय

यह नम वनों में पाये जाने वाला मध्यम ऊंचाई का पर्णपाती वृक्ष है। यह लैग्यूमिनेसी कुल का सदस्य है। यह मिश्रित वनों में अधिकतर पाया जाता है। यह प्रकाशपेक्षी एवं सूखा प्रतिरोधक परंतु पाले के प्रति संवेदन शील हैं।

पहचान

यह 18 से 24 मीटर तक की ऊंचाई के साथ-साथ 06 से 12 के जोडे में पायी जाने वाली पत्तियों वाला वृक्ष होता है। इस वृक्ष की छाल चिकनी हल्की पीली सफेद रंग की होती है। इसकी फली में भी काला सिरस के समान 06 से 12 तक बीज पाए जाते है।

प्राप्ति स्थान

यह वृक्ष काला सिरस के समान हिमालय से लगे क्षेत्रों के साथ साथ बंगाल, असम, बिहार, म.प्र., उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में पाया जाता है। मध्य प्रदेश में यह मुख्यत: ग्वालियर, बैतूल, होशंगाबाद, देवास, सिवनी, मण्डला, कटनी, आदि जिलों में पाया जाता है।

स्थानीय कारक (Locality Factor)

यह विभिन्न तरह की मिट्टी में पाया जाता है। परन्तु रेतीली, लाल दोमट, मृदा में अच्छी बढ़त करता है।

बीज चक्र (Seed Cycle)

वृक्ष में प्रतिवर्ष बीज उत्पादित होता है।

ऋतुजैविकी (Phenology)

इस वृक्ष में फूल जून से अगस्त के मध्य लगते हैं एवं फल अक्टूबर से अप्रैल माह के मध्य लगते हैं। बीजों का संग्रहण फरवरी-मार्च के मध्य किया जाता है। इसके बीज में परिपक्वता अवधि के दौरान कीडों का प्रकोप काला सिरस की अपेक्षा कम होता है।

प्रतिकिलो बीजों की संख्या

प्रतिकिलो बीजों की संख्या 12000-13000 तक होती है।

जीवन क्षमता अवधि

बीज की जीवन क्षमता अवधि लगभग 1.5 से 02 वर्षो तक होती है।

सुसुप्तावस्था

बीज में किसी भी तरह की सुसुप्तावस्था नहीं होती है।

अंकुरण क्षमता

अंकुरण क्षमता 50 से 60 प्रतिशत तक होती है।

पौध प्रतिशत

पौध प्रतिशत 40 से 50 प्रतिशत तक होता है।

उपयुक्त भंडारण विधि

सील्ड प्लास्टिक कन्टेनर में सिलिका जैल रसायन के साथ व मलमल के कपड़े की थैली में।

उपयोगिता की अवधि

संग्रहण के पश्चात् बीज को 1.5 से 2 वर्ष के भीतर उपयोग कर लेना चाहिए।

बुआई पूर्व उपचारण

बीज को बुआई पूर्व 12 घंटे गरम पानी में अथवा 48 घंटे तक ठंडे पानी में डुबोकर रखने से अंकुरण शीघ्र एवं अधिक प्राप्त होता है।

अंकुरण हेतु उपयुक्त माध्यम

बीज की बुवाई हेतु उपयुक्त माध्यम रेत है।

बुआई का समय

बुवाई का उचित समय मार्च से अप्रैल के मध्य होता है।

100 पौधे हेतु आवश्यक बीजों की मात्रा

100 पौधे हेतु 10 से 15 ग्राम बीजों की आवश्यकता होगी

बुआई हेतु उपयुक्त विधि

सीधे बीज की बुआई जर्मिनेशन ट्रे अथवा क्यारी में 5 से 8 सेमी. रेत की परत बिछाकर उपरोक्त वर्णित उपचारण पश्चात् बुवाई करने पर सामान्य अंकुरण से अधिक अंकुरण प्राप्त होता है। परंतु रुट ट्रैनर मे पौध तैयारी के लिये उक्त उपचारण से सीधे बीज उपचारित कर रुट ट्रैनर मे भी बीज की बुवाई की जा सकती है।

रुट ट्रैनर में बीमारी एवं बचाव

रुट ट्रैनर में पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए खरपतवार की निंदाई नियमित होना चाहिए इसके साथ ही पौधों को पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध होना चाहिए। पौधों में किसी भी प्रकार की बीमारी दिखने पर तत्काल फफूंदनाशक दवा बैविस्टीन एवं कीटनाशक दवा एन्डोसल्फॉन अथवा रोगार का एक प्रतिशत सांध्रता के घोल का छिडकाव सप्ताह में दो बार किया जाना चाहिए एवं पौधों को तत्काल कुछ समय के लिए धूप में रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

पॉटिंग मिश्रण

विभिन्न रुट ट्रैनर साइजों में कुल 37 प्रकार के पोटिंग मिक्चर का प्रयोग किया गया।

15:43
Scanned with OKEN Scanner